# रक्षा संसाधनों को कैसे एकीकृत किया जा सकता है

लेखक-कृष्णा कौशिक (संपादक)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-III (आंतरिक सुरक्षा) से संबंधित है।

इंडियन एक्सप्रेस

24 फरवरी, 2020

**"चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत सेना, नौसेना और वायु सेना की संयुक्त कमांड (Joint Command) के क्रियान्वयन पर काम कर रहे हैं। इस आलेख में हम भारत में मौजूदा कमांड के बारे में जानेंगे और साथ ही यह भी जानेंगे कि संयुक्त कमांड कैसे सेना की मदद करेगी?"**

सोमवार को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल बिपिन रावत ने कहा कि उनका कार्यालय तीन रक्षा सेवाओं (सेना, नौसेना और वायु सेना) के बीच संयुक्त कमांड की स्थापना के विचार को मूर्त रूप देने पर काम कर रहा है, जिसकी शुरुआत एक वायु रक्षा कमान के साथ किया जाना है। 31 दिसंबर को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की नियुक्ति इस दिशा में पहला बड़ा कदम थी। उसके बाद यह साफ हो गया था कि अब तीनों सेनाओं को मजबूत बनाने और इनमें तालमेल स्थापित करने के लिए भी जल्द ही काम शुरू हो जाएंगे।

**संयुक्त या ज्वॉइंट कमांड क्या है?**

सीधे शब्दों में कहें तो यह एक एकीकृत कमांड है जिसमें एक भौगोलिक स्थिति को देखते हुए एक ही कमांडर के तहत सभी सेवाओं के संसाधन एकीकृत होते हैं। इसका मतलब है कि आवश्यकताओं के अनुसार एक एकल सैन्य कमांडर के पास सुरक्षा खतरे का प्रबंधन करने के लिए सेना, नौसेना और वायु सेना के संसाधन होंगे। एक संयुक्त कमांड के कमांडर को उद्देश्य के अनुसार अपने कमांड को प्रशिक्षित करने और लैस करने की स्वतंत्रता होगी। तीनों सेवाएँ अपनी स्वतंत्र पहचान भी बनाए रखेंगी।

फिलहाल दो त्रि-सेवा कमांड हैं। भारत में अभी केवल अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में इस तरह की थियेटर कमांड काम कर रही है। सीडीएस जनरल रावत ने जम्मू-कश्मीर में इसी तरह की कमांड गठित करने की बात कही है। 2001 में कारगिल युद्ध के बाद मंत्रियों के एक समूह ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक रिपोर्ट दी थी। सामरिक बल कमान की स्थापना 2006 में हुई थी और यह एक कार्यात्मक त्रि-सेवा कमान है।

**अभी संरचना क्या है?**

तीनों सेवाओं के बीच विभाजित 17 कमांड हैं। थल सेना और वायु सेना के पास सात-सात कमांड हैं, जबकि नौसेना के पास तीन कमांड हैं। सेना के अधीन कमानें उत्तरी, दक्षिणी, पूर्वी, पश्चिमी, मध्य, दक्षिण पश्चिमी और सेना प्रशिक्षण कमान हैं। वायु सेना में पूर्वी, पश्चिमी, दक्षिणी, दक्षिण-पश्चिमी, मध्य, रखरखाव और प्रशिक्षण कमांड हैं और नौसेना को पश्चिमी, पूर्वी और दक्षिणी कमांड में विभाजित किया गया है।

ये आदेश उनकी संबंधित सेवाओं को रिपोर्ट करते हैं और तीन-सितारा अधिकारियों के नेतृत्व में होते हैं। हालाँकि ये आदेश समान क्षेत्रों में हैं, लेकिन ये एक साथ स्थित नहीं हैं।

**संयुक्त कमांड कैसे मदद करते हैं?**

प्रमुख लाभों में से एक यह है कि एकीकृत कमांड के लीडर का अब सेवाओं के तहत् कमांड के प्रमुखों की तुलना में अधिक विविध संसाधनों पर नियंत्रण है। मिसाल के तौर पर, प्रस्तावित कमांड में से एक एयर डिफेंस कमांड के प्रमुख के पास नौसेना और सेना के संसाधन होंगे, जिसका उपयोग आने वाले खतरे के अनुसार किया जा सकता है। इसके अलावा, पाकिस्तान या चीन सीमा की कमान संभालने वाले अधिकारी के पास वायु सेना के लड़ाकू जेट तक पहुँच होगी और जरूरत पड़ने पर उनका इस्तेमाल कर सकते हैं।

हालाँकि, बिपिन रावत ने स्पष्ट किया कि न तो एयर डिफेंस कमांड को सभी नौसेना संसाधन दिया जाएगा और न ही वायु सेना के सभी संसाधन को कोस्ट के लिए एक अन्य प्रस्तावित कमांड, पेनिन्सुला कमांड, को दिया जाएगा। प्रायद्वीप कमान पूरे हिंद महासागर क्षेत्र, जिसमें चीन की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है, में बड़े परिप्रेक्ष्य को देखते हुए नौसेना प्रमुख को स्वतंत्रता देगी।

एक अन्य प्रमुख लाभ यह है कि इस तरह के एकीकरण और संयुक्तता के माध्यम से तीनों बल संसाधनों के दोहराव से बचने में सक्षम होंगे। प्रत्येक सेवा के तहत उपलब्ध संसाधन अन्य सेवाओं के लिए भी उपलब्ध होंगे। रक्षा प्रतिष्ठान में सामंजस्य को मजबूत करते हुए सेवाओं को एक दूसरे से बेहतर तरीके से जाना जा सकेगा।

**नए कमांड कब तैयार होंगे?**

सीडीएस रावत ने कहा है कि प्रस्तावित वायु रक्षा कमान के लिए एक अध्ययन पहले ही शुरू किया जा चुका है और मार्च के अंत तक कमान के विवरण पर एक रिपोर्ट बन जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वायु रक्षा कमान इस वर्ष के अंत तक चालू हो जाना चाहिए और 2021 के अंत तक पेनिन्सुला कमान, इसके बाद थिएटर की कमान – भूमि की सीमाओं को देखने वाली संयुक्त कमान – को पहली बार 2022 के अंत तक शुरू किया जाएगा।

थल सेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे थिएटर कमांडों के अधिक आशावादी नहीं हैं और उन्होंने गुरुवार को कहा कि यह विचार अभी तक "प्रारंभिक" स्तर पर है और फिलहाल इसे पूरा होने में बहुत समय लगेगा।

**ऐसे कितने कमांड बनाने की उम्मीद है?**

जहाँ एक तरफ भारत की जरूरतों की संख्या का अध्ययन अभी भी किया जा रहा है, सीडीएस ने परिकल्पना की है कि कमांड छह से नौ के बीच हो सकता है। हालाँकि, यह निश्चित नहीं है कि सीमाओं पर कितने भूमि-आधारित थिएटर कमांड आएंगे। सीडीएस ने कहा कि इसका अध्ययन किया जाएगा और अध्ययन समूह को दो से पाँच थिएटर कमांड बनाने के लिए विकल्प दिए जाएंगे।

एक संभावना यह भी है कि चीन और पाकिस्तान की सीमाओं को देखते हुए क्रमशः एक ही कमांड हो। अन्य विकल्प जम्मू और कश्मीर क्षेत्र में सीमा के लिए एक अलग कमान बनाना है और एक अन्य कमांड पश्चिमी सीमा के बाकी हिस्सों पर नजर रखेगी। चीन के साथ लगती सीमा पर स्वतंत्र कमांड हो सकते हैं, जो नेपाल से विभाजित है।

इसके अलावा, दो फंक्शनल कमांड होंगे। एक प्रस्तावित लॉजिस्टिक्स कमांड एक व्यक्ति के तहत् सभी सेवा के लॉजिस्टिक्स को लाएगा और सीडीएस एक प्रशिक्षण और सिद्धांत कमांड को भी देख रहा है, ताकि सभी सेवाएँ एक सामान्य सिद्धांत के तहत काम करें और कुछ बुनियादी सामान्य प्रशिक्षण हों।

लेफ्टिनेंट जनरल डी. बी. शेकटकर की अध्यक्षता वाली एक समिति ने पहले तीन नए आदेशों की सिफारिश की थी, जिसमें उत्तरी चीन के लिए; पश्चिमी, पाकिस्तान सीमा के लिए और दक्षिणी समुद्री सुरक्षा के लिए कमांड शामिल थीं।

**क्या दूसरे देशों के सेनाओं के पास भी ऐसे कमांड हैं?**

कई प्रमुख आतंकवादी एकीकृत थिएटर कमांड में विभाजित हैं। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी में पाँच थिएटर कमांड हैं: पूर्वी, पश्चिमी, उत्तरी, दक्षिणी और मध्य। इसका पश्चिमी थिएटर कमान भारत के लिए जिम्मेदार है।

अमेरिकी सशस्त्र बलों में 11 एकीकृत कमांड हैं, जिनमें से सात भौगोलिक और चार कार्यात्मक कमांड हैं। इसकी भौगोलिक कमानें अफ्रीका, मध्य, यूरोपीय, इंडो-पैसिफिक, उत्तरी, दक्षिणी और स्पेस (अंतरिक्ष) हैं। साइबर, स्पेशल ऑपरेशंस, ट्रांसपोर्टेशन एंड स्ट्रैटेजिक इसके फंक्शनल कमांड हैं।

रावत ने कहा है कि भारत किसी भी देश का अनुसरण नहीं करेगा और एकीकृत कमांडों के लिए अपनी संरचना खोजेगा।

GS World Committed To Excellence

## संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-

**कथन (A):** चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने कहा है कि तीनों सेनाओं के संयुक्त कमांड की स्थापना की जाएगी।

**कथन(R):** एकीकृत कमांड के तहत् सभी सेवाओं के संसाधन एकीकृत होते हैं।

**कूट:-**

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) का सही स्पष्टीकरण है।

(b) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) कथन (A) सही है तथा कारण (R) गलत है।

(d) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

## Expected Questions (Prelims Exams)

**Q. Consider the following statements: -**

**Assertion (A): The Chief of Defense Staff has said that a joint command of the three troops will be established.**

**Reason (R): Under Unified Command, resources of all services are integrated.**

**Code:-**

(a) Both Assertion (A) and Reason (R) are correct and Reason (R) is the correct explanation of Assertion(A).

(b) Both Assertion (A) and Reason (R) are correct and Reason (R) is not the correct explanation of Assertion (A).

(c) Assertion (A) is correct and Reason (R) is incorrect.

(d) Assertion (A) is incorrect and Reason (R) is correct.

**नोट : 22 फरवरी को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1 (a) होगा।**

## संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

**प्र. एकीकृत सैन्य कमांड से क्या अभिप्राय है? भारत जैसे कई देशों से घिरे उपमहाद्वीप आकार के देश में एकीकृत सैन्य कमांड का निर्माण किस प्रकार लाभकारी हो सकता है? चर्चा कीजिए। (250 शब्द)**

**What does Unified Military Command mean? How can the creation of unified military command in a subcontinental-sized country like India surrounded by many countries be beneficial? Discuss. (250 words)**

**नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।**